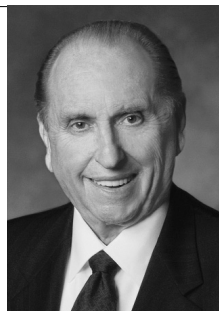

अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन द्वारा

उद्धारकर्ता के लिये समय निकालें

एक और बड़े दिन का समय निकट है और नया साल आने वाला है । ऐसा लगता है मानो हम कल ही उद्धारकर्ता का जन्म दिन मना रहे थे और संकल्प ले रहे थे ।

इस साल के हमारे संकल्पों में, क्या हमने उद्धारकर्ता के लिये अपने जीवन में समय निकालने और अपने हृदयों में स्थान बनाने के लिये संकल्प लिया था ? इससे कोई फर्क नहीं पड़ता ऐसे संकल्प को पूरा करने में अब तक हम कितने सफल रहे हैं, मुझे विश्वास है हम सब बेहतर करना चाहते हैं । यह बड़े दिन का समय हमारे प्रयासों की जांच करने और नवीनकरण करने का सर्वोत्तम समय है ।

हमारे व्यस्त जीवनों में, जहां बहुत सी अन्य बातें हमारा ध्यान खींचती हैं, यह जरूरी है कि हम एक सर्तक, दृढ़ प्रयास हमारे जीवनों और हमारे घरों में मसीह को लाने का करें । और अवश्यक है कि, पूर्व के तीन विद्वानों के समान, उसके तारे साथ के चलें और ''उसकी उपासना करने आयें ।''[1]

समय की कई पीढ़ियों से, यीशु का संदेश एकसमान रहा है । गलील के तटों पर पतरस और अंद्रियास से, उसने कहा था, ''मेरे पीछे चले आओ ।''[2] फिलिप्पुस को बुलावा आया, ''मेरे पीछे चले आओ ।''[3] लेवी को जो महसूल लेता था यह निर्देश मिला, ''मेरे पीछे चले आओ ।''[4] और आप और मैं, यदि हम ध्यान से सुनें, वही निमंत्रण मिलेगाः ''मेरे पीछे चले आओ ।''[5]

आज जब हम उसके पद-चिन्हों पर चलते और उसके उदाहरण का अनुसरण करते हैं, हमारे पास अन्यों के जीवनों को आशीषित करने भ'जज'न अवसर होंगे । यीशु हमें स्वयं को देने का निमंत्रण देता हैः ''देखो, प्रभु को हृदय और इच्छुक मन की आवश्यकता है ।''[6]

क्या कोई है जिसके लिये आपको इस बड़े दिन सेवा उपलब्ध करानी है ? क्या कोई है जो आपके आने की प्रतिक्षा कर रहा है ?

सालों पहले मैं एक वृद्ध विधवा के घर बड़े दिन पर मिलने गया था । जब मैं वहां था, दरवाजे की घंटी बजी । दरवाजे पर एक बहुत ही व्यस्त और प्रख्यात डाक्टर खड़ा था । उसे बुलाया नहां गया था; बल्कि, उसने महसूस किया था कि उसे ऐसे मरीज से मिलना चाहिए जो अकेला था ।

इस समय के दौरान, जो कैद में हैं उनके हृदय बड़े दिन की मुलाकात पर किसी के आने के लिये ललायित रहते हैं । एक बड़े दिन पर देख-रेख केंद्र का दौरा करते हुए, मैं पांच वद्ध स्त्रियों के साथ बैठा और उनसे बात की थी, उनमें सबसे वृद्ध 101 की थी । वह नेत्रहीन थी, फिर भी उसने मेरी आवाज पहचान ली थी ।

''धर्माध्यक्ष, इस साल आप थोड़ा देर से आये !'' उसने कहा । ''मैंने सोचा था आप कभी नहीं आओगे ।''

हमने साथ मिलकर अच्छा समय बिताया । फिर भी, एक मरीज ललक के साथ खिड़की से बाहर देखते हुए बार-बार कह रही थी, ''मैं जानती हूं मेरा लड़का आज मुझ से मिलने आएगा ।'' मैंने सोचा क्या वह आयेगा, क्योंकि पिछले कई बड़े दिन के समय वह कभी मिलने नहीं आया था ।

इस साल फिर से मदद का हाथ, प्रेमी हृदय, और इच्छुक आत्मा आगे बढ़ाने का समय है—अन्य शब्दों में, हमारे उद्धारकर्ता द्वारा बनाये उदाहरण का अनुसरण करना और वैसे सेवा करना जैसे वह हमारी सेवा करता । जब हम उसकी सेवा करते हैं, हम अपने अवसरों को नहीं खोएंगे, जैसे प्राचीन के सराय के मालिक ने किया था,[7] हमारे जीवनों में उसके लिये समय और हमारे हृदयों में उसके लिये स्थान निकाल कर ।

क्या हम उस अदभुत प्रतिज्ञा को समझ सकते हैं जो उस संदेश में शामिल है जो स्वर्गदूत ने मैदान में चरवाहों को दिया थाः ''मैं तुम्हें बड़े आनंद का सुसमाचार सुनाता हूं । ... कि आज तुम्हारे लिये एक उद्धारकर्ता जन्मा है, और यही मसीह प्रभु है''?[8]

जब हम बड़े दिन पर उपहार देते हैं, हम याद करें, प्रसंशा करें, और प्राप्त करें कि सब उपहारों में महानत्तम उपहार—हमारे उद्धारकर्ता और मुक्तिदाता का उपहार है, कि हम अनंत जीवन प्राप्त कर सकें ।

''क्योंकि मनुष्य को उस उपहार से क्या लाभ जो उसे दिया जाता है, और वह उस उपहार को ग्रहण नहीं करता ? देखो, वह उससे आनंदित नहीं होता जो उसे दिया जाता है, न ही वह उससे आनंदित होता है जो उस उपहार को देता है ।''[9]

मेरी आशा है कि हम उसका अनुसरण करें, उसकी सेवा करें, उसका आदर करें, और हमारे जीवनों में हमारे लिये उसके उपहारों को ग्रहण करें, कि हम, पिता लेही के शब्दों में, ''उसके प्रेम की बाहों में घेर लिये जाएं ।''[10]

विवरण

1. मती 2:2 ।
2. मती 4:19 ।
3. यूहन्ना 1:43 ।
4. मती 9:9 ।
5. सिद्धांत और अनुबंध 38:22 ।
6. सिद्धांत और अनुबंध 64:34 ।
7. देखें लूका 2:7 ।
8. लूका 2:10–11 ।
9. सिद्धांत और अनुबंध 88:33 ।
10. 2 नफी 1:15 ।

इस संदेश से शिक्षा

अध्यक्ष मॉनसन हमें ''हमारे जीवनों और हमारे घरों में मसीह को लाने के लिये एक सर्तक, दृढ़ प्रयास'' करने के लिये कहते हैं । जिन्हें आप सीखाते हैं उनके साथ चर्चा करें कैसे वे इस सर्तक प्रयास को व्यक्तिगत और परिवार के रूप में कर सकते हैं । आप उनसे विशेष व्यक्ति या परिवार का विचार करने के लिये विचार कर सकते हैं जिसे वे इस बड़े दिन पर भ'जज'न या सेवा कर सकते हैं । ''मदद का हाथ, प्रेमी हृदय, और इच्छुक आत्मा आगे बढ़ाने का अभी भी समय है ।''

युवा

बड़े दिन पर सेवा करने के तरीके

अध्यक्ष मॉनसन सेवा केंद्रों में वृद्ध और वहां रहने वालों से मिलने के समय निकालते हैं, विशेषकर बड़े दिन के समय । उन्होंने पाया कि वहां ऐसे लोग हैं जो खुश हैं क्योंकि उनसे लोग मिलने आते हैं, जबकि अन्य ऐसे हैं जो ऐसे लोगों के आने की आशा करते हैं जो कभी नहीं आते । वहां लोग हैं जो किसी की प्रतिक्षा कर रहे हैं—हो सकता है इस बड़े दिन पर, *आप* वह कोई बन सकते हैं ।

नीचे एक सूची है जिस में कुछ तरीके हैं जो आप निश्चित होने में मदद कर सकते हैं कि इस बड़े दिन पर कोई अकेला महसूस न करे । और अपने समाज में इस बड़े दिन पर अधिक तरीकों को सोचने के लिये मुक्त होकर विचार करें । ''क्या कोई ऐसा है जो आपकी मुलाकात की प्रतिक्षा कर रहा है ?''

- अपने वार्ड या शाखा में प्रचारकों को या अकेले और वृद्ध सदस्यों को भेजने के लिये बड़े दिन का कार्ड बनाएं ।
- स्थानीय समाज संगठन के साथ सेवक के रूप में कार्य करें ।
- अपने मित्रों और पड़ोसियों को मॉरमन की पुस्तक की प्रतियां बड़े दिन के उपहार के रूप में दें ।
- अपने परिवार या वार्ड में वृद्ध लोंगो से मिलें ।
- अपने पड़ोसियों को देने के लिये व्यंजन बनाएं ।

बच्चे

प्रकाश का पीछा करें

यीशु के जन्म लेने के पश्चात, तीन विद्वान उसके लिये उपहार लाये थे । उसे खोजने के लिये उन्होंने आकाश में नये, चमकदार तारे का पीछा किया था । इस बड़े दिन पर आप यीशु को क्या उपहार दे सकते हो ?

© 2015 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/15 । अनुवाद अनुमतिः 6/15 । *First Presidency Message, December 2015* का अनुवाद । Hindi । 12592 294 का अनुवाद

यीशु मसीह के दिव्य गुणः करूणा और दया

प्रार्थनापूर्वक इस सामाग्री को पढ़ें और क्या बांटना है को जानने के लिये खोजें । उद्धारकर्ता का जीवन और सेवाकाई उसमें कैसे आपके विश्वास को बढ़ाता और उन्हें आशीष देता है जिनका आप भेंट करने वाला शिक्षका के द्वारा ध्यान रखते हैं ? अधिक जानकारी के लिए पर जाएं ***reliefsociety.lds.org*** *।*

विश्वास, परिवार, सहायता

यह भेंट करने वाला शिक्षा संदेश उद्धारकर्ता के दिव्य गुणों के पहलुओं का वर्णन करने वाली श्रंखलाओं का भाग है ।

''धर्मशास्त्रों में, करूणा का अर्थ वस्तुतः 'दुख झेलना' है । इसका अर्थ दूसरे के लिये सहानभूति, दया, और रहम दिखाना भी है ।''[1]

''यीशु ने हमें करूणामय चिंता के बहुत से उदाहरण दिये हैं,'' अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन ने कहा था । ''बेतसेथा के तलाब में विकलांग व्यक्ति; व्यभिचार करते हुए पकड़ी गई स्त्री; याकूब के कुंए पर स्त्री; याइर की पुत्री; लाजर, मरियम और मारथा का भाई—प्रत्येक ने यरीहो के मार्ग में आकस्मिक घटना को दर्शाया था । प्रत्येक को मदद की आवश्यकता थी ।

''बेतसेथा में विकलांग से, यीशु ने कहा था, 'उठ, अपनी खाट उठा, और जा ।'' पापी स्त्री को यह सलाह मिली, 'जा, और फिर पाप न करना ।'' उसकी मदद करने के लिये जो कुंए में पानी भरने आई थी, उसने 'अनंत जीवन का सोता' दिया था । याइर की मृत बेटी को आज्ञा मिली, 'हे लड़की, मैं तुझ से कहता हूं, उठ ।' कब्र में पड़े लाजर को आदेश मिला, 'निकल आ ।''

''उद्धारकर्ता ने हमेशा असीमित दया को दिखाया है । ... आओ हम अपने हृदयों के द्वार खोलें, ताकि वह—सच्ची दया का जीवित उदाहरण—प्रवेश कर सके ।''[2]

अतिरिक्त धर्मशास्त्र

भ'जज'न संहिता 145:8; 'जज'कयाह 7:9; पतरस 3:8; मुसायाह 15:1, 9; नफी 17:5–7

धर्मशास्त्रों से

''मेरे पति और मैं अपनी 17 साल की बेटी के पहलू में घुटनों के बल झुके और उसके जीवन के लिये याचना कर रहे थे,'' सहायता संस्था की महा अध्यक्षता में द्वितीय सलाहकार, लिंडा एस. रीव्स ने कहा था । ''जवाब न था, लेकिन । ... हमें पता चला है ... कि ... [उद्धारकर्ता] हमारे दुखों में हमारे लिये करूणा महसूस करता है ।''[3]

''उद्धारकर्ता के जीवन से मेरी पसंदीदा कहानियों में लाजर की कहानी है । धर्मशास्त्र हमें बताते हैं कि 'यीशु मारथा, ... उसकी बहन [मरियम], और [उनके भाई] लाजर से प्रेम रखता था ।' ''[4] जब लाजर बीमार पड़ा, यीशु को संदेश भेजा गया था, लेकिन जबतक वह पहुंचा लाजर मर चुका था । मरियम यीशु के पास दौड़ी, उसके पैरों पर गिर गई, और रोई । जब यीशु ने मरियम को रोते देखा, ''वह आत्मा में बहुत उदास हुआ, और ... उसके आंसू बहने लगे'' (यूहन्ना 11:33, 35) ।

''यह हमारा दायित्व है । हमें स्वयं महसूस करना और देखना और फिर स्वर्गीय पिता के बच्चों की मदद करनी चाहिए ताकि वे महसूस करें और जानें कि हमारे उद्धारकर्ता ने अपने ऊपर न केवल हमारे पापों को बल्कि हमारे दुखों और हमारे कष्टों और पीड़ाओं को भी ले लिया था ताकि वह जान सके हम कैसा महसूस करते हैं और हमें कैसे दिलासा देनी है ।''[5]

टिप्पणियां

1. Guide to the Scriptures, "Compassion" ।
2. Thomas S. Monson, "The Gift of Compassion," *Liahona,* मार्च 2007, 4–5, 8 ।
3. Linda S. Reeves, "The Lord Has Not Forgotten You," *Liahona,* नवं. 2012, 120 ।
4. Linda S. Reeves, "The Lord Has Not Forgotten You," 118 ।
5. Linda S. Reeves, "The Lord Has Not Forgotten You," 120 ।

इस पर विचार करें

आपकी करूणा द्वारा कौन आशीषित हो सकता है ?

© 2015 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/15 । अनुवाद अनुमतिः 6/15 । *Visiting Teaching Message, December 2015* का अनुवाद । Hindi । 12592 294 का अनुवाद